भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **103**
दिनांक **18** नवम्बर, 2019

सटी गैस वतरण नेटवर्क

103. श्री अनुभव मोहंतीः
कुमारी राम्या हरिदासः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार देश भर में प्राकृतिक गैस की उपलब्धता बढ़ाने के लए राष्ट्रीय गैस ग्रड में 13,105 कलोमीटर अतिरिक्त गैस पाइपलाइनों के वकास की प्र क्रया में है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) वर्तमान में सटी गैस वतरण (सीजीडी) नेटवर्क के अंतर्गत शा मल कए गए मौजूदा भौगो लक क्षेत्र और जनसंख्या का ब्यौरा क्या है और राष्ट्रीय गैस ग्रड के तहत निर्माणाधीन परियोजनाओं का ब्यौरा और स्थिति क्या है;
(ग) सरकार द्वारा कब तक अतिरिक्त पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा होने और 100 प्रतिशत आबादी को कवर करने की उम्मीद है और गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान पूरी की गई पाइपलाइनों की संख्या और लंबाई कतनी है;
(घ) जगत संहपुर और केंद्रपाड़ा जिलों के लए सटी गैस डस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के वकास के तहत पूरा कए गए कार्यक्रम का ब्यौरा प्रतिशत में क्या है;
(ङ) क्या इस योजना में निर्धारित उद्देश्य को हा सल कया गया है और यदि हां, तो परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(च) सरकार द्वारा समय पर कार्य पूरा करने के लए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) से (ग): पूरे देश में प्राकृतिक गैस की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने राष्ट्रीय गैस ग्रड वक सत करने की परिकल्पना की है। वर्तमान में लगभग 16,500 क.मी. प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों का प्रचालन कया जा रहा है। इसके अलावा, पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस वनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने पाइपलाइनों को प्रा धकृत कया है जो निष्पादन के व भन्न चरणों में है। आं शक रूप से चालू की गई और निर्माणाधीन पाइपलाइनों के ब्यौरे क्रमशः अनुलग्नक-I और अनुलग्नक-II में दिए गए हैं। इसके अलावा, पीएनजीआरबी राष्ट्रीय गैस ग्रड के माध्यम से देश के अतिरिक्त क्षेत्र को कवर करने के उद्देश्य से प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों को वक सत करने के लए कदम उठा रहा है।

पीएनजीआरबी ने बताया है क अप्रैल, 2016-मार्च, 2019 के दौरान लगभग 1820 क.मी. प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों को चालू कर दिया गया है और चालू वत्त वर्ष में सतंबर, 2019 तक लगभग 530 क.मी. पाइपलाइनें चालू की गई हैं।

जहां तक नगर गैस वतरण नेटवर्कों के तहत कवर की गई आबादी का संबंध है पीएनजीआरबी ने अब तक 10वें सीजीडी बोली दौर तक पूरे देश में सीजीडी नेटवर्क के वकास हेतु 406 जिलों को कवर करते हुए 229 भौगो लक क्षेत्रों (जीएज) को प्रा धकृत कया है। इसके तहत भारत की लगभग 70 प्रतिशत आबादी और 53 प्रतिशत क्षेत्र को कवर कया गया है। यह परियोजनाएं निष्पादन के व भन्न चरणों में हैं।

(घ) से (च): पीएनजीआरबी ने 9वें सीजीडी बोली दौर के तहत जगत संहपुर तथा केंद्रापाड़ा जिलों सीजीडी नेटवर्क के वकास हेतु भारत गैस रिसोर्स ल मटेड (बीजीआरएल) को प्रा धकृत कया है। न्यूनतम कार्य कार्यक्रम के अनुसार सीजीडी कंपनियों द्वारा प्रतिबद्धता को 8 वर्ष की अव ध में पूरा कया जाना अपे क्षत है और सामान्य शर्तों के तहत इन भौगो लक क्षेत्रों को गैस की आपूर्ति दूसरे वर्ष और उसके बाद से शुरू की जानी है। पीएनजीआरबी सीजीडी परियोजनाओं की प्रगति और सीजीडी प्रा धकार वनियमनों पर नजर रखता है और दिए गए लक्ष्यों को हा सल नहीं करने पर दंड का प्रावधान भी करता है।

*****

अनुलग्नक-I

सटी गैस वतरण नेटवर्क के बारे में दिनांक 18.11.2019 को पूछे गए लोक सभा अतारां कत प्रश्न संख्या 103 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लि खत अनुलग्नक

आं शक रूप से चालू की गई प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के ब्यौरे

क्र.सं	पाइपलाइन का नाम	इकाई का नाम	प्रा धकृत लंबाई (क.मी.)	वे राज्य जिनसे पाइपलाइन गुजरती है
1	चैनसा-झज्जर-हिसार	गेल (इं डया) ल मटेड	455	हरियाणा, राजस्थान, पंजाब
2	दादरी-बवाना-नांगल	गेल (इं डया) ल मटेड	886	पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली
3	कोच्चि-कू ानद-बैंगलोर-मंगलौर	गेल (इं डया) ल मटेड	1104	केरल, त मलनाड्, कर्नाटक, पुड्चेरी का केंद्र शा सत प्रदेश
4	मेहसाणा - भटिंडा	जीएसपीएल इं डया गैसनेट ल मटेड	2052	गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब
5	भटिंडा - जम्मू - श्रीनगर	जीएसपीएल इं डया गैसनेट ल मटेड	725	पंजाब, जम्मू और कश्मीर
6	मल्लावरम - भोपाल - भीलवाड़ा से वजयपुर	जीएसपीएल इं डया ट्रांसको ल मटेड	2042	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान
7	दाभोल-बंगलौर	गेल (इं डया) ल मटेड	1414	महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा
8	एन्नोर-तिरुवल्लूर-बैंगलूरु-पुड्चेरी-नागाप ीनम-मदूरै-तूतीकोरिन	इं डयन ऑयल कॉर्पोरेशन ल मटेड	1385	त मलनाडु, कर्नाटक
9	जगदीशपूर हल्दिया बोकारो धामरा-धामरा-पारादीप- बरौनी-गुवाहाटी (जेएचबीडीपीएल, डीपीपीएल और बीजीपीएल)	गेल (इं डया) ल मटेड	3546	उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओ डशा, असम
योग			13609	

अनुलग्नक-II

सटी गैस वतरण नेटवर्क के बारे में दिनांक 18.11.2019 को पूछे गए लोक सभा अतारां कत प्रश्न संख्या 103 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लि खत अनुलग्नक

निर्माणाधीन पाइपलाइनों के ब्यौरे

क्र.सं.	पाइपलाइन का नाम	इकाई का नाम	प्रा धकृत लंबाई (क.मी.)	वे राज्य जिनसे पाइपलाइन गुजरती है
1	काकीनाडा - वजाग - श्रीकाकुलम	एपी गैस डस्ट्रीब्यूशन कार्पोरेशन ल मटेड	391	आंध्र प्रदेश
2	जयगढ़- मंगलौर	एच-एनर्जी प्राइवेट ल मटेड	749	महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक
3	काकीनाडा- वजयवाड़ा-नेल्लोर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन	आईएमसी ल मटेड	667	आंध्र प्रदेश
4	उत्तर-पूर्व प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रड (अनंतिम प्रा धकार)	इन्द्रधनुष गैस ग्रड ल मटेड	1656	असम, मजोरम, म णपुर, अरु णाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघाल य और सक्किम
5	कनाई च ा - श्रीरामपुर	कंसोर्टियम ऑफ एच-एनर्जी ईस्ट कोस्ट प्राइवेट ल मटेड और एच-एनर्जी प्राइवेट ल मटेड	317	पश्चिम बंगाल
6	श्रीकाकुलम-अंगुल	गेल (इं डया) ल मटेड	690	आंध्र प्रदेश, ओ डशा
योग			4470	